भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2122

जिसका उत्तर 04 जुलाई, 2019 को दिया जाना है।

.....

नदियों को आपस में जोड़ने की परियोजनाएं/योजनाएं

2122. श्री अण्णा साहेब शंकर जोल्ले:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या नदियों को आपस में जोड़ना देश के किसानों की समस्याओं के स्थायी समाधान का सबसे प्रमुख पक्ष है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इस समस्या के समग्र रूप से समाधान हेतु नदियों को आपस में जोड़ने को सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में देखने का विचार कर रही है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या देश की नदियों को आपस में जोड़ने की स्वप्नदर्शी परियोजना अभी भी ठप्प स्थिति में है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

जल शक्ति और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री रतन लाल कटारिया)

(क) से (ग) अगस्त, 1980 में तत्कालीन सिंचाई मंत्रालय (अब जल शक्ति मंत्रालय) ने अंतर बेसिन जल अंतरण के जरिए जल संसाधनों के विकास हेतु राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की थी जिसका उद्देश्य जल की अधिकता वाले बेसिनों से जल की कमी वाले बेसिनों में जल अंतरण करना है। एनपीपी के अंतर्गत, राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) साध्यता रिपोर्ट (एफआर) तैयार करने हेतु 30 नदी जोड़ों (प्रायद्वीपीय घटक के तहत 16 तथा हिमालयी घटक के तहत 14) की पहचान की है। उपर्युक्त नदी जोड़ परियोजनाओं का ब्यौरा, अर्थात नदी, संबंधित राज्य का नाम **अनुलग्नक** में दिया गया है।

एनपीपी के कार्यान्वयन से सतही जल के द्वारा 25 मिलियन हेक्टेयर की सिंचाई को लाभ पहुंचेगा, भूमि जल के बढ़ते उपयोग के द्वारा 10 मिलियन हेक्टेयर को, जिसके द्वारा कुल सिंचाई क्षमता 140 मिलियन हेक्टेयर से बढ़कर 175 मिलियन हेक्टेयर हो जाएगी और बाढ़ नियंत्रण के आकस्मिक लाभ, सूखे के उपशमन, नौवहन, जल आपूर्ति, मत्स्य-पालन, लवणता और प्रदूषण नियंत्रण इत्यादि के अतिरिक्त 34 मिलियन केडब्ल्यू बिजली का उत्पादन होगा।

(घ) एनपीपी के तहत, प्रायद्वीपीय नदी घटक अर्थात केन-बेतवा जोड़ परियोजना (केबीएलपी), दमनगंगा-पिंजाल जोड़ परियोजना, पार-तापी-नर्मदा जोड़ परियोजना और गोदावरी-कावेरी जोड़ परियोजना के तहत विस्तृत परियोजना रिपोर्टें तैयार करने हेतु चार प्राथमिक जोड़ परियोजनाओं की भी पहचान की गई है।

केबीएलपी चरण-। के तहत घटकों के लिए चरण-।। वन स्वीकृति को छोड़कर विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियां और माननीय उच्चतम न्यायालय की केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति से स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। केबीएलपी चरण-।। के तहत प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए स्वीकृतियां अंतिम चरण में हैं। केबीएलपी की व्यापक डीपीआर पूरी कर ली गई है और उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश सरकार को परिचालित कर दी गई है। केबीएलपी के कार्यान्वयन हेतु समझौता ज्ञापन का मसौदा सहमति हेतु मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकार को भेज दिया गया है। इस परियोजना में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्यों के बुंदेलखंड क्षेत्र तथा समीपवर्ती क्षेत्रों के सूखा संभावित क्षेत्रों को लाभ पहुंचाया जाना अभिकल्पित है।

सांविधिक स्वीकृतियों के शर्ताधीन दमनगंगा-पिंजाल जोड़ परियोजना के लिए तकनीकी आर्थिक स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई है। पार-तापी-नर्मदा की डीपीआर केंद्रीय जल आयोग द्वारा मूल्यांकन किए जाने हेतु अंतिम चरण में है। दमनगंगा-पिंजाल और पार-तापी-नर्मदा जोड़ परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए समझौता ज्ञापन का मसौदा सहमति हेतु महाराष्ट्र और गुजरात सरकारों को भी भेज दिया गया है।

तीन परियोजनाओं अर्थात गोदावरी (इंचमपल्ली/जनमपेट)-कृष्णा (नागार्जुन सागर), कृष्णा (नागार्जुन सागर)-पेन्नार (सोमासिला), पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड ऐनीकट) जोड़ परियोजनाओं को शामिल करते हुए गोदावरी-कावेरी जोड़ परियोजना की डीपीआर का मसौदा तैयार कर लिया गया है और पक्षकार राज्यों को परिचालित कर दिया गया है।

संबंधित राज्यों की सहमति से परियोजना की डीपीआर तैयार कर लेने और अपेक्षित सांविधिक स्वीकृतियां प्राप्त करने के पश्चात परियोजना के कार्यान्वयन का चरण आएगा। कार्यान्वयन हेतु अनुमानित समय डीपीआर के अनुसार निर्माण अनुसूची पर निर्भर करेगा।

*****

<u>अनुलग्नक</u>

"नदियों को आपस में जोड़ने की परियोजनाएं/योजनाएं" विषय पर दिनांक 04.07.2019 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 2122 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

अंतर-बेसिन जल अंतरण नदी जोड़ों के नाम, शामिल राज्य, नदियों के नाम और साध्यता रिपोर्टों/विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की स्थिति

क्र.□□	□□	नदियां	संबंधित राज्य	□□□□ □ □/□□ □ □/□□□ □ □ की स्थिति
प्रायद्वीपीय घटक				
1	महानदी (मणिभद्रा)-गोदावरी (दोलेश्वरम) जोड़	महानदी और गोदावरी	ओडिशा, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, कर्णाटक ३ छत्तीसगढ़	साध्यता रिपोर्ट (एफआर) पूरी की गई
2	गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (पुलीचिंताला) जोड़	गोदावरी और कृष्णा	-वही-	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
3	गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुन सागर) जोड़	गोदावरी और कृष्णा	ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक और छत्तीसगढ़	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
4	गोदावरी (पोलावरम)-कृष्णा (विजयवाड़ा) जोड़	गोदावरी और कृष्णा	ओडिशा, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक ३ छत्तीसगढ़	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
5	कृष्णा (अलमत्ती)- पेन्नार जोड़	कृष्णा और पेन्नार	-वही-	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
6	कृष्णा (श्रीसैलम)-पेन्नार जोड़	कृष्णा और पेन्नार	-वही-	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
7	कृष्णा (नागार्जुन सागर)-पेन्नार (सोमसिला) जोड़	कृष्णा और पेन्नार	महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश औ कर्नाटक	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
8	पेन्नार (सोमसिला)-कावेरी (ग्रैण्ड एनीकट) जोड़	पेन्नार और कावेरी	आन्ध्र ५ , कर्नाटक, तमिलनाडु केरल और पुदुच्चेरी	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
9	कावेरी (कट्टालाई)-वैगई-गुन्डार जोड़	कावेरी, वैगाई और गुंडार	कर्नाटक, तमिलनाडु केरल, और पुदुच्चेरी	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
10	केन-बेतवा जोड़	केन और बेतवा	उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश	साध्यता रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (चरण-I एवं II) पूरी की गई
11	पार्वती-कालीसिंध-चंबल जोड़	पार्वती, कालीसिंध व चंबल	मध्य प्रदेश, राजस्थान औ उत्तर प्रदेश (उत्तर प्रदेश ने सहमति बनाने के स विचार-विमर्श करने अनुरोध किया)	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
12	पार-तापी-नर्मदा जोड़	पार, तापी और नर्मदा	महाराष्ट्र और गुजरात	साध्यता रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी की गई

13	□□□□□□-**पिंजाल जोड़**	दमनगंगा और पिंजाल	-वही-	साध्यता रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी की गई
14	बेदती-वर्दा जोड़	बेदती और वर्दा	महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश और कर्नाटक	साध्यता पूर्व रिपोर्ट पूरी की गई
15	नेत्रावती-हेमावती जोड़	नेत्रावती और हेमवती	कर्नाटक , तमिलनाडु और केरल	साध्यता पूर्व रिपोर्ट पूरी की गई
16	पंबा-अच्चनकोविल-वैप्पार जोड़	पंबा, अचनकोविल और वैप्पार	केरल और तमिलनाडु	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
हिमालयी घटक				
1.	मानस-सनकोस-तीस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) जोड़	मानस-संकोश-तिस्ता-गंगा	असम, पश्चिम बंगाल, बिहार और भूटान	साध्यता पूर्व रिपोर्ट पूरी की गई
2.	कोसी-घाघरा जोड़	कोसी और घाघरा	बिहार, उत्तर प्रदेश और नेपाल	साध्यता पूर्व रिपोर्ट पूरी की गई
3.	गंडक-गंगा जोड़	गंडक और गंगा	-वही-	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई (भारतीय भाग)
4.	घाघरा-यमुना जोड़	घाघरा और यमुना	-वही-	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई (भारतीय भाग)
5.	शारदा-यमुना जोड़	शारदा और यमुना	बिहार, उत्तर , हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड और नेपाल	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई (भारतीय भाग)
6.	यमुना-राजस्थान जोड़	यमुना और सुकरी	उत्तर ', गुजरात, हरियाणा और राजस्थान	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
7.	राजस्थान-साबरमती जोड़	साबरमती	-वही-	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
8.	चुनार-सोन बैराज जोड़	गंगा और सोन	बिहार और उत्तर प्रदेश	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
9.	सोन बांध-गंगा जोड़ की दक्षिणी उपनदियां	सोन और बदुआ	बिहार और झारखंड	पूर्व साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई है।
10.	गंगा(फरक्का)-दामोदर-सुबर्णरेखा जोड़	गंगा, दामोदर और सुबर्णरेखा	पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
11.	सुबर्णरेखा-महानदी जोड़	सुबर्णरेखा और महानदी	पश्चिम बंगाल और ओडिशा	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
12.	कोसी-मेची जोड़	कोसी और मेची	बिहार, पश्चिम बंगाल और नेपाल	साध्यता पूर्व रिपोर्ट पूरी की गई, पूरी तरह से नेपाल में पड़ता है
13.	गंगा (फरक्का)-सुंदरबन जोड़	गंगा और इच्छामती	पश्चिम बंगाल	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
14.	जोगीघोपा-तीस्ता-फरक्का जोड़ (एम-एस-टी-जी का विकल्प)	मानस, तिस्ता व गंगा	-वही-	(एम-एस-टी-जी जोड़ का विकल्प) छोड़ दिया गया ।

- पीएफआर-साध्यता पूर्व रिपोर्ट
- एफआर-साध्यता रिपोर्ट
- डीपीआर-विस्तृत परियोजना रिपोर्ट